देश के रईसों में यूपी का दबदबा, नोएडा अव्वल तो कानपुर दूसरे पायदान पर

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में उत्तर प्रदेश के 41 उद्योगपति शामिल

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। भारत की नई आर्थिक ताकत में उत्तर प्रदेश का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। हुरून इंडिया रिच लिस्ट 2025 में प्रदेश के कुल 41 अरबपति उद्योगपति शामिल हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा नोएडा (15 अरबपति) और उसके बाद कानपुर (8 अरबपति) का दबदबा है। पारंपरिक रूप से औद्योगिक शहर माने जाने वाले कानपुर ने इस बार लखनऊ, गाजियाबाद और आगरा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया है। भारत के शीर्ष उद्योगपतियों की इस सूची में चार साल पहले वर्ष 2021 में यूपी से महज 22 कारोबारी स्थान पा सके थे।

नोएडा के आदित्य खेमका सबसे रईस, मुरली बाबू नंबर 4 पर आए : *भारतीय अरबपतियों की रिचलिस्ट में नोएडा के आदित्य खेमका (आदित्य इंफोटेक) यूपी के नंबर वन धन्नासेठ बनकर उभरे हैं। उनकी कुल संपत्ति 35140 करोड़ रुपये है। दूसरे नंबर पर इलाहाबाद के अलख पांडेय (फिजिक्सवाला) 14,520 करोड़ रुपये के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हैं। तीसरे नंबर लखनऊ के पीटीसी इंडस्ट्रीज के सचिन अग्रवाल 11,320 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे नंबर हैं। कानपुर के घड़ी साबुन वाले मुरली बाबू पहले स्थान से खिसककर चौथे स्थान पर आ गए हैं।*

आगरा के साथ छोटे शहरों से भी चमके सितारे : आगरा से 5 अरबपति, लखनऊ से 4, गाजियाबाद से 3, जबकि प्रयागराज, अलीगढ़, गोरखपुर, फैजाबाद, बुलंदशहर और दादरी से एक-एक नाम शामिल हैं। खासकर प्रयागराज के अलख पांडेय (फिजिक्स वाला, 14,520 करोड़) शिक्षा क्षेत्र से अरबपति बनने वाले सबसे चर्चित युवा चेहरे हैं।

शहरवार अरबपति, नेटवर्थ व कंपनी

नोएडा (15 अरबपति)

आदित्य खेमका एंड फैमिली	35,140 करोड़	आदित्य इंफोटेक
हितेश ओबेराय	6490 करोड़	इंफो एज - साफ्टवेयर
याशीश दहिया	5350 करोड़	पीबी फिनटेक
दिनेश चंद्र अग्रवाल	4720 करोड़	इंडिया मार्ट
मनोज अग्रवाल	4130 करोड़	सूर्या फूड
ब्रजेश अग्रवाल	3230 करोड़	इंडियामार्ट
अजय कुमार	3160 करोड़	एस इंफ्रासिटी
अजय कुमार त्यागी	2930 करोड़	यथार्थ हास्पिटल
शेखर अग्रवाल	2920 करोड़	सूर्या फूड
नवीन अग्रवाल	2430 करोड़	सूर्या फूड
गीताम्बर आनंद	2290 करोड़	एटीएस ग्रांड
विष्णु आर दुसाद	1910 करोड़	न्यूक्लियस साफ्टवेयर एक्सपोर्ट
सुनील कुमार चतुर्वेदी	1610 करोड़	टीआईएल आटोमोबाइल
अरविन्द गुप्ता	1300 करोड़	मॉन्टेज इंटरप्राइजेज
विवेक मिश्रा	1010 करोड़	राफे फाइबर- एयरोस्पेस एंड डिफेंस

कानपुर (8 अरबपति)

मुरलीधर ज्ञानचंदानी	8,880 करोड़	आरएसपीएल (घड़ी डिटरजेंट)	एफएमसीजी
बिमल ज्ञानचंदानी	5,920 करोड़	आरएसपीएल (घड़ी डिटरजेंट)	एफएमसीजी
सुशीला देवी सिंघानिया	2,460 करोड़	जेके सीमेंट	सीमेंट उत्पाद
तस्नीफ अहमद मिर्जा	2.290 करोड़	मिर्जा इंटरनेशनल	लेदर उत्पाद
अजय गोविन्ददास	2,240 करोड़	राय बहादुर सेठ	श्रीराम नरसिंहदास
राघव चंद्रा	2020 करोड़	अर्बन कंपनी	साफ्टवेयर व सर्विस
श्याम सुंदर शर्मा	1,400 करोड़	गणेश इकोस्पेयर	टेक्सटाइल
एक प्रकाशन समूह	1,370 करोड़	मीडिया इंडस्ट्री	

आगरा (5 अरबपति)

मयंक अग्रवाल	2,090 करोड़	वैसमेट इंडिया	कंटेनर्स एंड पैकेजिंग
योगेश कुमार जैन	1,310 करोड़	पीएनसी इंफ्राटेक	कंस्ट्रक्शन व इंजीनियरिंग
चक्रेश कुमार जैन	1,310 करोड़	पीएनसी इंफ्राटेक	कंस्ट्रक्शन व इंजीनियरिंग
नवीन कुमार जैन	1,310 करोड़	पीएनसी इंफ्राटेक	कंस्ट्रक्शन व इंजीनियरिंग
प्रदीप कुमार जैन	1,310 करोड़	पीएनसी इंफ्राटेक	कंस्ट्रक्शन व इंजीनियरिंग

लखनऊ (4 अरबपति)

सचिन अग्रवाल एंड फैमिली	11,320 करोड़	पीटीसी इंडस्ट्रीज	इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स
आनंद स्वरूप अग्रवाल	1,490 करोड़	इंडिया पेस्टीसाइड्स	एंग्रो केमिकल्स
विनोद कुमार सिंह	1,550 करोड़	एपको इंफ्राटेक	कंस्ट्रक्शन
अनिल कुमार सिंह	5,540 करोड़	एपको इंफ्राटेक	कंस्ट्रक्शन

गाजियाबाद (3 अरबपति)

रामवीर सिंह	2870 करोड़	ईएमएस	कंस्ट्रक्शन
महेश चंद्र गर्ग	1800 करोड़	गुडलक इंडिया	इंडस्ट्रियल उत्पाद
महेश जैन	1300 करोड़	लिंडे इंडिया	इंडस्ट्रियल उत्पाद

अन्य शहर (प्रत्येक से 1 अरबपति)

प्रयागराज	अलख पांडेय	14,520 करोड़	फिजिक्स वाला	शिक्षा व प्रशिक्षण
अलीगढ़	मो. जहीर एंड फैमिली	2,000 करोड़	लॉक इंडस्ट्रीज	मैन्युफैक्चरिंग
गोरखपुर	सीपी अग्रवाल	6,490 करोड़	(गैलेंट इस्पात)	(मेटल्स)
फैजाबाद	लक्ष्मण दास	3,640 करोड़	(अमृत बॉटलर्स)	(फूड बैवेरेजेस)
बुलंदशहर	राधेश्याम दीक्षित	1,760 करोड़	(आनंदा डेयरी)	(फूड बैवेरेजेस)
दादरी	कपिल कुमार त्यागी	1,950 करोड़	(यथार्थ हास्पिटल)	(हेल्थकेयर)

नोएडा बना अरबपतियों की राजधानी... कानपुर की उड़ान

देश के आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में बढ़ रहे नोएडा में रियल एस्टेट, टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े उद्यमियों ने भी अरबपति क्लब में अपनी जगह बनाई है। नोएडा के कई स्टार्टअप फाउंडर और रियल्टी कारोबारी इस सूची में हैं। लेदर सिटी कानपुर ने इस बार 8 अरबपतियों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। मुरलीधर ज्ञानचंदानी (आरएसपीएल – घड़ी डिटरजेंट, 8,880 करोड़) जैसे नाम पारंपरिक उद्योगों से आगे बढ़कर आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग और एफएमसीजी की शक्ति दिखाते हैं। इस शहर के कारोबारी केमिकल, टेक्सटाइल और फार्मा सेक्टर से भी अरबपति सूची में जगह बना रहे हैं। पिछली तीन सूची में कानपुर खिसकर चौथे स्थान पर आ गया था। हुरुन इंडिया के फाउंडर और चीफ एनालिस्ट अनस रहमान जुनैद ने कहा कि यूपी का बढ़ता औद्योगिक आधार, स्टार्टअप कल्चर और नए क्षेत्रों में निवेश ने इस बदलाव को संभव बनाया है।